(3 अगस्त 2012)

जिला प्रशासन का गांव आहूं मे रात्रि ठहराव कार्यक्रम

उपलब्धियां

1. हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री के आदेशों की अनुपालना में जिला प्रशासन द्वारा प्रदेश मे सर्वप्रथम रात्रि ठहराव कार्यक्रम की शुरूआत खण्ड पूण्डरी के गांव आहू से हुई।
2. सांयकालीन सत्र में उपायुक्त श्री चन्द्रशेखर व जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों के आगमन के साथ ही 3000 की आबादी वाला यह छोटा सा गांव एक चौपाल की शक्ल में तबदील हो गया।
3. 3 अगस्त 2012 के प्रातः 8 बजे से अलग–2 विभागों में विभागीय कार्यक्रमों की प्रर्दशनियां लगाई तथा स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, पशु पालन विभाग ने शिविर लगाकर ग्रामिणों को लाभान्वित किया।
4. इस गांव के इन्दिरा प्रियदर्शनी विवाह शगुन योजना के 2010 से लंबित लगभग 4 लाख रूपये के 11 चैक मौके पर ही वितरित किए गए।
5. गांव आहूं के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विधालय में स्वास्थ्य विभाग के शिविर में 200 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हे निशुल्क दवाईयां दी गई।
6. आंगनवाडी विभाग ने कार्यकर्ताओं ने शिविर लगाकर गर्भवति महिलाओं व बच्चों को पौष्टिक आहार देने की जानकारियां दी तथा महिलाओं में पाई जाने वाली खून की कमी को पूरा करने के लिए आयरन इत्यादि की गोलियों का भी वितरण किया।
7. मछली पालन विभाग की प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को धान व गेहूँ की परम्परागत खेती के साथ कम खर्च में अधिक आय देने वाले मछली पालन व्यवसाय को अपनाने का आहवान किया गया।
8. राजस्व विभाग के मुटेशन कैम्प मे इन्तकाल के मामलों का निपटान मौके पर ही तहसीलदार द्वारा किया गया। इस गांव का कोई भी इन्तकाल पैन्डिग नही है।

9. रात्रि ठहराव कार्यक्रम का एक आकर्षण विशेष ग्रामसभा का आयोजन रहा, जिसमें अतिरिक्त उपायुक्त व डी0डी0पी0ओ0 ने इसे संचालित करते हुए गांव में किए गए विकास कार्यो पर ग्राम सभा की सहमति की मोहर लगवाई तथा वर्तमान व भविष्य में किए जाने वाले विकास कार्यो का प्रस्ताव भी पारित हुआ।

10. औपचारिक कार्यक्रम के बाद उपायुक्त ने गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विधालय में ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए उन्हे ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा सें अपने कर्म को सर्वश्रेष्ठ मानकर चलने का सन्देश दिया।

11. आगामी सत्र में जिला प्रशासन के सभी अधिकारी गांव की गलियों में पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत पौधारोपण कार्यक्रम के लिए निकले इस दौरान खास बात यह रही की अलग–2 घरों में घर के मुखिया व जिस परिजन की स्मृति में पौधा लगाया गया, उनके नाम की पटिटका घर के बाहर लगाई गई, ताकि यह पौधा पूरी देखरेख में फलेफूले और जल्द ही घर में छाया और फल प्रदान करे। इन घरों में मुख्य तौर पर अमरूद, जामुन, निम्बू, नाशपति व अन्य फलदार व छायादार 600 पौधे लगाए गए। लडकियों को बेहतर पौष्टिक आहार देने के लिए फलदार पौधे लगाए गए।

12. रात्रि के सत्र में ज्ञानवर्धक फिल्में व वृतचित्र दिखाए गए और अर्धरात्रि तक जिला प्रशासन के अधिकारीयों के साथ गांव वालों ने मिल बैठकर विकास के मुद्दे से लेकर हंसी मजाक तक के माहौल में बातचीत की तथा दुखसुख भी सांझे किए।

13. रात्रि ठहराव के अगले दिन 4 अगस्त को पौ फटने से पहले वही पर ठहरे सभी अधिकारी एक बार फिर हरकत में आए और गांव की गली कुच्चों मे स्वच्छता अभियान के तहत गांव वालों के साथ सफाई के लिए निकल पडे। इस दौरान रात में लगाए गए पौधों को भी इन अधिकारियों ने चैक किया।

14. साकरा मार्ग पर 6 कनाल भूमि की पहचान कर श्री चन्द्रशेखर उपायुक्त कैथल ने वहां एक सुन्दर पार्क विकसित करने के निर्देश दिए तथा कई घरों मे फिजूल चल रहे पानी को बन्द करने का भी आहवान सभी अधिकारियों ने किया।